गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग द्वारा पांच–दिवसीय 'क्रोशिया प्रशिक्षण क्षमता संवर्धन' कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। 22 जुलाई 2025। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग द्वारा पांच–दिवसीय 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' कार्यक्रम 'क्रोशिया तकनीक' पर आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 17–22 जुलाई 2025 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और युवाओं को हस्तशिल्प, विशेष रूप से क्रोशिया कला में रचनात्मकता एवं आय सृजन के कौशल से सुसज्जित करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिका डा. मनीषा गहलौत द्वारा की गई। उन्होंने क्रोशिया की कला, उसके ऐतिहासिक महत्व, विभिन्न तरीके के धागों, उत्पाद नवीनीकरण, आधुनिक उपयोग और परिधान एवं वस्त्र उद्योग में इसके व्यापक प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए कौशल विकास की आवश्यकता पर जोर दिया और इस कला का व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास के साथ–साथ आय के श्रोत के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में डा. साक्षी, सह–प्राध्यापिका एवं पी.एच.डी. छात्रों के सहयोग से प्रतिभागियों को क्रोशिया बीड, हैंगिंग (क्रिसमस ट्री सज्जा सामान), की–चेन व विभिन्न प्रकार के फूल और पत्तियों जैसी सजावटी वस्तुओं को बनाना सिखाया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो पिथौरागढ, नैनीताल और ऊधम सिंह नगर जिलों से आए थे। ये प्रतिभागी पिथौरागढ़ की एन.जी.ओ. 'अवनी' और संस्था जे.एस.एस. के सहयोग से चलाई जाने वाली हल्द्वानी की 'दिव्यज्योति' स्वयं सहायता समूहों से संबंधित थे। प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण में बनाए गए क्रोशिया के उत्पादों की प्रर्दशनी 'क्रोशिया कृति 2025 लगाई गई। कार्यक्रम का समापन अधिष्ठात्री, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डा. अल्का गोयल द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल कौशल विकास का माध्यम बना, बल्कि महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित होगा। कार्यक्रम में डा. अर्चना कुशवाहा, विभागाध्यक्ष खाद्य एवं पोषण विभाग, डा. सीमा क्वात्रा, विभागाध्यक्ष मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग, सुश्री गरिमा, अवनी समूह की प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डा. अनीता रानी व डा. शेफाली मैसी की अग्रणी भूमिका रहीं। प्रशिक्षण में विभाग की स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के विद्यार्थियों कंचन विष्ट, भारती शर्मा, हर्षोत्तम चौहान, अंजलि व आदिनाथ ने भरपूर सहयोग दिया।